Sri – Om
VEDIC MATHEMATICS AWARENESS YEAR

E-Newsletter Issue no 149 dated 02-04-2015

Information :- It is for information that Sh. Gourav Budhiraja has joined our team of organizers). Sh. Gourav Budhiraja is graduate and has completed industrial accountant course. He is a Vipasana Teacher. He has deep insight of human physiology and motivational effects upon physiology and physiology of Vipasana meditation.

(Organizers Dr. S. K. Kapoor, Sh. Rakesh Bhatia, Sh. Bhim Sein Khanna,
Sh. Deepak Girdhar, Sh. Gourav Budhiraja)

For previous issues and further more information visit at www.vedicganita.org

ॐ । गायत्री छन्द । सरसवती मंत्र । महेश्वर सूत्र । गणित सूत्र

Om Gyatri Chand, Saraswati Mantra, Maheshwar Sutra, Ganita Sutras

वैदिक गणित (सूर्य रश्मियो का गणित)	Vedic Mathematics (Sunlight format Mathematics)
I. देवनागरी वर्णमाला II. जड़ भरत III. वर्णो की उत्पति IV. पंचीकरण V. ज्योति व्यूह अंक VI. आ ब्रह्म् भुवन लोक VII बीज अक्षर VIII श्री ॐ IX देवनागरी लिपि X रेफ XI एक वर्णमाला से दूसरी वर्णमाला तक XII गणित सूत्रो का स्थापत्य आधार XIII आधा रेफ	I. Devnagri alphabet II. Jad Bharat III. Creation of letters IV. 5 x 5 format V. Transcendental code value VI. Along organization format of elongated first vowel VII Seeds syllables VIII Sri Om IX Devnagrai script X Raif (letter: second Antstha) XI From one alphabet to another alphabet XII Sathapatya basis of Ganita Sutras XIII Half second antstha letter
XIV गुरू व शिष्य शब्दो की संरचना	XIV Words formulations 'गुरू वा शिष्य' / Guru and Shisya
गुरू शब्द की संरचना निम्नलिखित चार वर्णो का उपयोग करती है।	Word formulation 'गुरू वा शिष्य' / Guru and Shisya avails following four letters.
१ २ ३ ४ ग उ र् ऊ 3 3 3 6	१ २ ३ ४ ग उ र् ऊ 3 3 3 6
यहा ये ज्ञातव्य हो कि ये संरचना निम्नलिखित दो अक्षरो वाली है	Here it would be relevant to note that this word formulation is of following two syllables

‘१’ गु ‘३, ३’
‘२’ रू ‘३, ६’

यहा ये भी ज्ञातव्य हो कि ज्योति व्यूह मूल्यअंको का गणित सुपान आयामो के संयोगो का गणित है जिसके अनुसार ‘३ x ३’ = ५ होता है।

आगे ‘३ x ३ x ३’ = ६ होता है तथा और आगे ‘३ x ३ x ३ x ३’ = [(3,3,3), 6)] = 6= 4 या 8, तथा उनका मध्य छः व मध्य का मध्य पांच।

इस तरह से गुरू शब्द की संरचना बहुत ही गुह्य संरचना है। तथा इसे जानने समझने वा अपनाने की आवश्यकता है।

और इसी अनुसार ‘शिष्य’ शब्द की सरंचना को भी जानने समझने वा अपनाने की आवश्यकता है।

‘शिष्य’ शब्द की सरंचना मे पांच वर्णो का निम्नलिखित पांच वर्णो का उपयोग हुआ है।

१	२	३	४	५
श्	इ	ष्	य्	अ
2	2	6	1	1

‘शिष्य’ शब्द की सरंचना भी निम्नलिखित दो अक्षरो वाली है।

१	२
शि्	ष्य
2+2	6 +1 +1

‘१’ गु ‘३, ३’
‘२’ रू ‘३, ६’

Here it would be relevant to note that transcendental code values mathematics is of the values of dimensional synthesis Mathematics. As per which 3 x 3 = 5

Ahead 3 x 3 x 3 = 6
And ahead of it
^3 x 3 x 3 x 3* = [(3,3,3), 6)] = 6= 4 or 8 and its middle six or five.

Like that composition of word formulation ‘Guru’ is of many internal orbits and orbitals. Need is to understand comprehend and to adopt the same.

And like that parallel coordinated formulation ‘शिष्य’ as well deserve to be understood, comprehended and to be adopted.

Word formulation ‘Shishye’ avails following five letters.

१	२	३	४	५
श्	इ	ष्	य्	अ
2	2	6	1	1

This formulation is a composition of following two syllables.

१	२
शि्	ष्य
2+2	6 +1 +1

ज्योति व्यूह मूल्य अंको की सोपान आयामो के गणित के अनुसार मूल्यो का अवतरण इस प्रकार है।

(2, 2) = 4
(2, 2, 2) = 6
(2, 2, 2, 2) = 8

इससे आगे इन मूल्यो की उर्ध्व गति का गणित श्रंखला अंको का क्रम इस तरह है।
$(2^0, 2^1, 2^2, 2^3, ---)$

यहा ये भी ज्ञातव्य हो कि आधार पर ज्योतिव्यूह चंक्र मूल्य अंको के अनुसार सोपान आयामो का संयोग मूल्य अंक इस प्रकार क्रमबद्ध होते है
(1) =1, (1, 1) = 3, (1, 1, 1) = 6, ---

इस तरह से शिष्य शब्द की सरंचना को आरोही तथा अवरोही क्रम से जानकर हम सृष्टिकर्ता ब्रह्मा की सृष्टि की जानकारी रखने वाले शिष्य आगे गुरू कृपा से शिवलोक की विद्या की आराधना साधना सहित कर सकते है।

*

…क्रमश

०२-०४-२०१५ डा. सन्त कुमार कपूर

The transcendental code values Mathematics as values of spatial dimensional synthesis comes to be as under.
(2, 2) = 4
(2, 2, 2) = 6
(2, 2, 2, 2) = 8

Ahead the transcendental (upward) values sequence is as under

$(2^0, 2^1, 2^2, 2^3, ---)$

Here it also would be relevant to note that at base transcendental code values of linear dimensions comes to be as under
(1) =1, (1, 1) = 3, (1, 1, 1) = 6, ---

Here it also would be relevant to note that by approaching the word formulation 'Shishye' in its both orientations of sequential decrease, as well as sequential increase we can have a reach for the format of creations of Lord Brahma, creator the supreme and on its basis Shishye can with the grace of guru be on the transcendental path of attaining the transcendental enlightenment of Shiv lok /transcendental domain presided by Lord Shiv

*

…to be continued

02-04-2015 Dr. Sant Kumar Kapoor